हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 7 जुलाई 2026

06 दो शताब्दियों पुरानी धरोहर को मिला नया जीवन...

07 कौन बनेगा श्योपुर का बीईओ, दौड़ में तीन प्राचार्यों ...

खबर संक्षेप

पीएचसी बरकोटी के वार्डबॉय प्रताप सिंह चौहान निलंबित

सागर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सागर ने अनुशासनहीनता करने एवं थाना सुरखी में दर्ज जुआ प्रकरण एवं विभाग की छवि धूमिल करने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरकोटी के वार्डबॉय प्रताप सिंह चौहान को निलंबित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार प्रताप सिंह चौहान के विरुद्ध थाना सुरखी, जिला सागर में भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत 25 जून को विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। संबंधित कर्मचारी का उक्त कृत्य कदाचार की श्रेणी में आता है तथा यह मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम के उपनियम का उल्लंघन है। मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत श्री चौहान को तत्काल प्रभाव से शासकीय सेवा से निलंबित किया गया है।

विवि: संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने किया कीर्तिमान स्थापित

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा में अपनी सफलता का परचम लहराया है। विभाग के होनहार छात्र-छात्राओं ने शासकीय विद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी जॉइनिंग सुनिश्चित की है। गुरुओं के मार्गदर्शन और शिष्यों की कड़ी साधना के इस मिलन से पूरे विश्वविद्यालय परिसर और संगीत विभाग में उत्सव जैसा माहौल है। गुरुओं की सही राह और शिष्यों की कड़ी साधना रंग लाई। संगीत विभाग के प्राध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की मेहनत ने वर्ग-2 और वर्ग-3 की परीक्षा को पार किया है। इस बड़ी उपलब्धि पर संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार अहिरवार, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर, डॉ. राहुल स्वर्णकार एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय. एस ठाकुर सहित अन्य प्राध्यापकों ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई दी। प्राध्यापकों ने कहा कि संगीत जैसे कलात्मक विषय में समर्पण के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षा के स्तर की तैयारी करना बड़ी चुनौती थी, जिसे इन होनहारों ने सच कर दिखाया। मध्य प्रदेश राज्य स्कूल सेवा के माध्यमिक शिक्षक पद पर कु. दीप्ति तिवारी, श्री दुष्यंत सिलावट, कु. निष्ठा शर्मा, आशीष मेहरा, भूपेंद्र कुमार चौधरी, मनीष सोनी, कु. अदिति नामदेव, वरुण व्यास, कु. दीक्षा सेन, अपूर्वा भदौरिया, भगीरथ लडिया, कमलेश रैकवार, अभिलाष जैन, गौरव सोनी, एवं शोध छात्रा कल्याणी राय एवं कु. अनुकृति रावत, तबला विषय से आकाश जैन, गगन राज शोधार्थी, लोकेंद्र सिंह दांगी शामिल हैं। इनके अलावा भी विभिन्न संभागों में विद्यार्थियों के नाम शामिल हैं।

सर्प काटने पर झाड़ फूंक नहीं अस्पताल भेजें

सागर। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी रहली कुलदीप पाराशर के द्वारा सर्प दंश का झाड़ फूंक के द्वारा इलाज करने वालों की जानकारी लेकर उनकी एक बैठक ली गई। बैठक में विभिन्न ग्रामों के ऐसे व्यक्तियों को समझाइश दी गई कि सांप काटने पर यदि कोई उनके पास आता है तो उसे शासकीय अस्पताल में भेजें, झाड़ फूंक से इलाज न करें। सर्प दंश से मृत्यु के मामलों में अब डेथ ऑडिट कराया जाएगा। झाड़ फूंक से इलाज का दावा करने वालों पर कार्यवाही भी होगी। अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि ऐसी घटना होने पर तत्काल नजदीकी शासकीय अस्पताल में पीड़ित व्यक्ति को ले जायें। किसी भी प्रकार की भ्रांति या झाड़ फूंक इत्यादि में समय खराब न करें। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर बताया है कि रहली और गढ़ाकोटा के शासकीय अस्पताल में एंटी वेनम इंजेक्शन पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध हैं।

आत्मनिर्भर भारत की नींव डॉ. मुखर्जी की औद्योगिक सोच में निहित है : इंजीनियर प्रदीप लारिया

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद का नया अध्याय लिखा : शैलेन्द्र जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद् एवं अखंड भारत के प्रबल समर्थक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन को नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया, सागर विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने सम्बोधित किया।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल प्रखर राष्ट्रवादी नेता ही नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत के औद्योगिक विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के वास्तविक शिल्पकार थे। उन्होंने राष्ट्रवाद को केवल राजनीतिक विचार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि स्वावलंबी भारत की मजबूत आर्थिक नींव रखने का भी कार्य किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब देश आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा था, तब उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में उन्होंने देश के औद्योगिक विकास की ऐसी आधारशिला रखी, जिसका लाभ आज भारत को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, सिंदरी उर्वरक संयंत्र, हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट (वर्तमान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड), औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) सहित अनेक औद्योगिक संस्थानों की स्थापना में डॉ. मुखर्जी की दूरदर्शी सोच परिलक्षित होती है। उन्होंने लघु उद्योगों, भारी उद्योगों और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।

लारिया ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी उत्पादन का जो अभियान पूरे देश में चल रहा है, वह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वावलंबी भारत के स्वप्न का ही विस्तार है। भारत रक्षा उत्पादन, विनिर्माण, रेलवे, आधारभूत संरचना और वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण की इस विकास यात्रा में सहभागी बनें।

सागर विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद के ऐसे युगदृष्टा थे, जिन्होंने अपने अल्पायु में ही असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जन्म एक विद्वान परिवार में हुआ। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी देश के महान शिक्षाविद् एवं न्यायविद् थे, जिनके संस्कारों ने डॉ. मुखर्जी को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनकर डॉ. मुखर्जी ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी। उन्होंने भारतीय भाषाओं और भारतीय संस्कृति को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने का कार्य किया। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर को भारतीय भाषा में दीक्षांत भाषण के लिए आमंत्रित कर उन्होंने भारतीय भाषाओं के सम्मान का नया अध्याय प्रारंभ किया। उनका स्पष्ट मानना था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी शिक्षा, संस्कृति और मातृभाषा के सम्मान से ही संभव है।

जैन ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने सार्वजनिक जीवन में सिद्धांतों को सर्वोच्च स्थान दिया। जब उन्हें लगा कि राष्ट्रहित प्रभावित हो रहा है, तब उन्होंने बिना किसी पद-लालसा के केंद्रीय मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देकर आदर्श राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया। वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना कर उन्होंने राष्ट्रवादी राजनीति की मजबूत नींव रखी तथा लोकतंत्र में वैचारिक राजनीति को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, उनके आदर्शों और राष्ट्र समर्पण से प्रेरणा लेकर सार्वजनिक जीवन में नैतिकता, मूल्यों और राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, सिद्धांत, त्याग और संगठन साधना का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि राष्ट्रहित के सामने पद, प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत स्वार्थ का कोई महत्व नहीं होता। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब देश अनेक राजनीतिक और वैचारिक चुनौतियों से गुजर रहा था, तब उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सिद्धांत आधारित राजनीति का मार्ग चुना और भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी विचारधारा को संगठित स्वरूप प्रदान किया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि वैचारिक जागरण का अभियान है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने बूथ, गांव, वार्ड और मोहल्ले तक पहुंचकर डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, सेवा के संस्कार और राष्ट्र प्रथम की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी तथा विकसित भारत के निर्माण में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का सबसे बड़ा योगदान होगा।

जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 वीं जन्म जयंती पर सागर जिले के सभी बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया।

लक्ष्मी तरू पर्यावरण संरक्षण के साथ औषधीय गुणों से भरपूर वृक्ष है : कपिल मलैया

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वैली कैंपस में सोमवार को विचार समिति द्वारा लक्ष्मी तरू के 50 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में पिछले कुछ दिनों के दौरान 500 पौधे लगाए जा चुके हैं। यह अभियान भारत सरकार की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी श्रृंखला में विचार समिति के सहयोग से 50 पौधों का रोपण किया गया है तथा आगामी दिनों में भी वृक्षारोपण अभियान जारी रहेगा।विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने लक्ष्मी तरू की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह तेजी से बढ़ने वाला सदाबहार, औषधीय एवं बहुउपयोगी वृक्ष है। इसके बीजों से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग जैव ईंधन, साबुन और विभिन्न प्रसाधन सामग्री के निर्माण में किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी यह पौधा अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

कीचड़ में फिसलकर तीन बाइक सवार घायल निर्माण कंपनी की लापरवाही से हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुरई

खुरई में तेज बारिश के बाद सड़कों पर कीचड़ फैल गया। जिसके कारण तीन बाइक सवार अलग-अलग दुर्घटनाओं में घायल हो गए। कीचड़ सीवरेज और ओवरब्रिज निर्माण कार्यों की मिट्टी से फैला था। शहर में सीवरेज निर्माण कंपनी ने कई स्थानों पर खुदाई कर मिट्टी छोड़ दी है, जिससे गड्ढे और कीचड़ की समस्या बनी हुई है। इसी तरह, खिमलासा रेलवे फाटक पर बन रहे ओवरब्रिज के निर्माण स्थल पर भी कच्ची सर्विस रोड पर कीचड़ फैल रहा है। इन स्थानों पर वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण मिट्टी चिकनी हो गई है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

सीवरेज के गड्डों के कारण बाइक फिसला

हादसे में हनोता डेम में कार्यरत मजदूर नरेंद्र आदिवासी (22), निवासी ग्राम कंसरा, जिला उमरिया, घायल हो गए। उन्होंने बताया कि वे कंपनी का सामान लेकर शहर से डेम लौट रहे थे, तभी सतनाई के पास सीवरेज के गड्डों के कारण फिसल गए। उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से सिर में चोट लगने के कारण बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज सागर रेफर कर दिया गया। उनके साथी मजदूरों ने घटना की सूचना उनके परिजनों को दे दी है।

सीवरेज निर्माण कंपनी पर लापरवाही के आरोप

एक अन्य घटना में, खिमलासा रोड पर ओवरब्रिज निर्माण स्थल के पास फिसलन के कारण चंद्रपाल राय अपनी बाइक से फिसलकर घायल हो गए। उनका इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है। इसके अतिरिक्त, शहर के संत रविदास वार्ड की एक गली में भी एक बाइक सवार फिसलकर घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने सीवरेज निर्माण कंपनी और ओवरब्रिज निर्माण कंपनी के अधिकारियों से सड़कों पर फैली मिट्टी और कीचड़ की समस्या पर ध्यान देने की अपील की है। उनका कहना है कि बारिश की शुरुआत में ही यह स्थिति है, जिससे आगे चलकर और अधिक दिक्कतें हो सकती हैं।

50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों पर प्राथमिकता से हो संतुष्टिपूर्ण कार्रवाई

कलेक्टर के सख्त निर्देश: जर्जर भवनों में न चलें स्कूल-हॉस्टल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सोमवार को आयोजित टीएल बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीबी जीरामजी से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से करने तथा प्लांटेशन में तेजी लाने पर जोर देते हुए प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में कम से कम दो मुनगा के पौधे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक सप्ताह जनभागीदारी के साथ अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण से जोड़ा जाए। बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, अप्रारंभ पंचायत, सामुदायिक एवं आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण, भूमि आवंटन, जल प्रदाय योजना, हस्तांतरण योग्य योजनाओं, अवमानना एवं रिट याचिका प्रकरणों की भी समीक्षा कर प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ई-विकास प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने, मूंग पंजीयन एवं सत्यापन कार्य में तेजी लाने और सभी एसडीएम को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ कैश/खाद वितरण केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सख्त हिदायत दी कि किसी भी स्थिति में कोई भी स्कूल, छात्रावास या आंगनवाड़ी केंद्र जर्जर भवन में संचालित नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी आदेशित किया कि नए स्वीकृत होने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिक शाला के परिसर में ही कराने की व्यवस्था की जाए, अलग से 'स्टैंड अलोन' आंगनवाड़ी भवन न बनाए जाएं।

इसके अलावा उन्होंने सीएम प्रगति पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा सार्थक ऐप के माध्यम से एसडीएम एवं तहसील कार्यालयों में ई-अटेंडेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत 50 दिवस से लंबित शिकायतों की संख्या शून्य करें। समस्त एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि कब्जा, सीमांकन, बंटवारा जैसे अन्य राजस्व की शिकायतों को सेटिस्फेक्ट्री रूप से क्लोज करें। इसी प्रकार नॉन अटेंडेंट शिकायतों की संख्या भी शून्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि बरसाती नालों, रपटों की साफ-सफाई करवाएं ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना एवं जनहानि से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे मार्ग, नदी, नाले, रपटे जन पर दुर्घटना हो सकती है ऐसे स्थानों पर नोटिस बोर्ड, रिफ्लेक्टिव टेप एवं डायवर्सन संबंधी जानकारी चस्पा करें।

सर्पदंश से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्पतालों में एंटीवेनम का पर्याप्त स्टॉक रहे। उन्होंने स्वास्थ्य और प्रशासनिक अमले को अलर्ट पर रहने को कहा है ताकि जिले में सर्पदंश से एक भी जान न जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि किसी भी स्थिति में एंटीवेनम की अनुपलब्धता अथवा समय पर एंटीवेनम न मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले की सभी प्राथमिक, सामुदायिक और जिला स्तरीय चिकित्सा इकाइयों पर एंटीवेनम इंजेक्शन और आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयों का एडवांस स्टॉक हर वक्त उपलब्ध रहे। कलेक्टर ने जनसामान्य से अपील करते हुए कहा कि सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा उपलब्ध कराएं किसी भी झाड़फूंक करवाने में समय व्यर्थ न करें। उन्होंने इस संबंध में जागरूकता फैलाने के भी निर्देश दिए।

108 एंबुलेंस ने तोड़े बिजली के तार, लगभग 8 से 10 घरों की बिजली गुल, चालक फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुरई

संत कवरदास वार्ड में भूतेश्वर रेलवे फाटक के पास बीती रात एक 108 एंबुलेंस की टक्कर से बिजली के तार टूट गए। घटना के कारण कई घरों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। एंबुलेंस चालक मौके से फरार हो गया। वार्ड के निवासी नितिन सिंह, दीपेंद्र और काजल ने बताया कि रात को एंबुलेंस एक मरीज को छोड़कर गली से निकल रही थी। इसी दौरान वह नीचे लटक रहे बिजली के तारों से टकरा गई, जिससे तार टूटकर गिर गए। जब तक स्थानीय लोग घरों से बाहर आते, चालक एंबुलेंस लेकर तेजी से फरार हो चुका था। लोगों ने बाइक से पीछा करने का प्रयास भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। निवासियों ने आशंका जताई कि यदि एंबुलेंस में मरीज होता तो करंट फैलने से बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद आसपास रहने वाले लोगों की भीड़ लग गई। बिजली आपूर्ति बाधित होने से वार्ड के लगभग 8 से 10 घरों में अंधेरा छा गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।जानकारी मिलते ही बिजली कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे।कर्मचारियों ने टूटे हुए बिजली के तारों को जोड़ने और विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य तत्काल शुरू किया। देर रात तक सुधार कार्य जारी रहा, जिसके बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हो सकी।

22 मरीजों को उपचार के लिए भोपाल रवाना किया

गढाकोटा । सागर जिले कि रहली विधानसभा से वरिष्ठ विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने रविवार को क्षेत्र के 22 गंभीर मरीजों को उनके परिजनों और सहयोगियों सहित कुल 44 लोगों को एम्बुलेंस एवं बस के माध्यम से बेहतर उपचार के लिए भोपाल रवाना किया। मरीजों में हृदय रोग,कैंसर तथा लीवर संबंधी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग शामिल हैं। प्रस्थान से पूर्व गणनायक स्थित निज निवास पर भार्गव ने सभी मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। भार्गव ने मरीजों को आश्वस्त किया कि उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि जनसेवा ही उनके सार्वजनिक जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। पूर्व मंत्री ने बताया कि भोपाल स्थित उनके निवास पर सभी मरीजों एवं परिजनों के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। सोमवार को सभी मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार भोपाल के विभिन्न विशेषज्ञ अस्पतालों में चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिए भेजा जाएगा। पूर्व मंत्री भार्गव ने कहा कि मेरे लिए राजनीति का सबसे बड़ा उद्देश्य जनसेवा है। यदि किसी जरूरतमंद को बेहतर इलाज दिलाने में मैं सहयोग कर पाता हूं तो यही मेरे सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मांगों के निराकरण तक निगम कर्मचारियों का अनिशिचतकालीन धरना 15वें दिन भी जारी

सागर। नगर पालिक निगम कर्मचारियों की लंबित समस्याओं एवं 13 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर सभी कर्मचारी संगठनों द्वारा की जा रही अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन सोमवार को 15 वें दिन भी जारी रहा। पुराने एवं नये नगर निगम कार्यालय भवन परिसर में बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं संगठन पदाधिकारी एकत्रित होकर अपनी मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे और निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा निगम प्रशासन की नींद खोलने, शंख, झालर ढोल बजाकर प्रदर्शन किया। धरना स्थल को संबोधित करते हुए नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एवं सागर संभाग प्रभारी राजेश सिंह राजपूत, जिलाध्यक्ष शईदउद्दीन कुरैशी तथा कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक ने निगम प्रशासन पर कर्मचारियों की समस्याओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की 13 सूत्रीय मांगों और विभिन्न समस्याओं के संबंध में निगम प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जबकि पूर्व में निगमायुक्त द्वारा संबंधित शाखा प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे कि मांगों का निराकरण करने कु तत्काल कार्रवाई करें। मगर स्थापना शाखा में पदस्थ व्याप्त अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के कारण कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने निगम प्रशासन से ऐसे भ्रष्ट शाखा प्रभारियों को तत्काल हटाने और कर्मचारियों की मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की।नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों को बार -बार आश्वासन दिए गए, लेकिन मांगों का निराकरण नहीं किया ।

कृषि विभाग से सेवानिवृत्त, स्थानांतरित अधिकारी कर्मचारियों का हुआ सम्मान

सागर। उपसंचालक कृषि द्वारा कृषि विभाग सागर से हाल ही में सेवानिवृत हुए अरविंद कुमार गुप्ता वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मालथौन संतोष कुमार जैन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जैसीनगर जे एल विश्वकर्मा प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राहतगढ़, हरगोविंद विश्वकर्मा कृषि विस्तार अधिकारी खुरई, जे पी वंशकार कृषि विस्तार अधिकारी शाहगढ़, रंजीत सिंह ठाकुर कृषि विस्तार अधिकारी जैसीनगर का शाल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र से सम्मान कर विदाई दी गई। सागर जिले से भोपाल स्थानांतरित सहायक संचालक कृषि जितेंद्र सिंह राजपूत व नेहा सोहगौरा को उपसंचालक कृषि ने सेवा सम्मान पत्र देकर विदाई दी। सेवानिवृत्ति व स्थानांतरित अधिकारी कर्मचारी ने विभाग में लंबे समय के अनुभवों को साझा किया । विभाग से मिले अपनेपन व स्नेह के पलों को याद करते हुए सभी भावुक हुए । सहायक रसायन विशेषज्ञ एस बी सिंह, सहायक बीज परीक्षण अधिकारी संजय पाठक, सहायक संचालक कृषि सागर जय दत्त शर्मा, कुमुद बुनकर, अंकित रावत, अनुविभागीय कृषि अधिकारी सागर अनिल राय सहित संभागीय व जिला स्तर के समस्त कार्यालयीन स्टाफ ने भी सेवानिवृत्ति व स्थानांतरित अधिकारी/ कर्मचारियों का अभिनंदन कर विदाई दी।

कलेक्टर के विशेष प्रयास लाए रंग, जल्द शुरू होगा ऐतिहासिक मंदिर का संरक्षण कार्य

दो शताब्दियों पुरानी धरोहर को मिला नया जीवन, जीर्णोद्धार के लिए किस्त जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

शहर के हवेली रोड स्थित लगभग दो सौ वर्ष पुराने ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र मां राजराजेश्वरी मंदिर के संरक्षण की दिशा में बड़ी पहल हुई है। लंबे समय से मरम्मत और जीर्णोद्धार की प्रतीक्षा कर रहे इस प्राचीन मंदिर को अब नया जीवन मिलने जा रहा है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश शासन के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए राशि स्वीकृत कर 15 लाख 58 हजार रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है। कलेक्टर श्रोत्रिय द्वारा मंदिर के समग्र विकास एवं संरक्षण के लिए 23 लाख 60 हजार रुपये का विस्तृत प्रस्ताव धर्मस्व विभाग को भेजा गया था। प्रस्ताव पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग ने प्रथम चरण की राशि मंजूर कर दी है। इस राशि से मंदिर परिसर एवं राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि पर आवश्यक निर्माण एवं मरम्मत कार्य कराए जाएंगे। उक्त निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। मां राजराजेश्वरी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि टीकमगढ़ की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक है। वर्षों से मंदिर की छत से पानी रिसने, दीवारों के क्षतिग्रस्त होने, जल निकासी व्यवस्था नहीं होने तथा प्रवेश द्वार पर बारिश का पानी भरने जैसी समस्याएं श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थीं। अब जीर्णोद्धार कार्य शुरू होने से मंदिर का गौरव पुनः स्थापित होने की उम्मीद जगी है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने बताया कि मंदिर राजशाही काल में निर्मित एक महत्वपूर्ण सिद्ध क्षेत्र है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। शासन की स्वीकृति मिलने के बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा, जिससे इस ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

बुंदेली स्थापत्य व राजशाही विरासत का अद्भुत संगम है मंदिर

कटरा बाजार के समीप हवेली रोड स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर का इतिहास लगभग 200 वर्ष पुराना माना जाता है। इसका निर्माण बुंदेली हस्तशिल्प शैली में गुसाईं सेना के एक प्रमुख महंत द्वारा महाराजा विक्रमादित्य के शासनकाल में कराया गया था। यह मंदिर टीकमगढ़ राजघराने, अखाड़ों के संतों तथा आम श्रद्धालुओं की प्रमुख आराधना स्थली रहा है। स्थानीय इतिहासकारों के अनुसार मां राजराजेश्वरी को धन, वैभव, शक्ति, योग और मोक्ष की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। राजाओं द्वारा कुलदेवी के रूप में उनकी पूजा की जाती थी। अपनी अद्भुत बुंदेली वास्तुकला, प्राचीन शिल्पकला और आध्यात्मिक महत्व के कारण यह मंदिर आज भी जिले की ऐतिहासिक धरोहरों में विशेष स्थान रखता है।

निरीक्षण से स्वीकृति तक, महज दो माह में बदली तस्वीर

करीब दो माह पहले ही कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने स्वयं मां राजराजेश्वरी मंदिर का निरीक्षण कर स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और मंदिर से जुड़े लोगों के साथ चर्चा की थी। बैठक में मंदिर की जर्जर छत, दीवारों में नमी, जल निकासी की कमी और प्रवेश मार्ग पर जलभराव जैसी समस्याएं प्रमुखता से सामने आई थीं। निरीक्षण के तुरंत बाद कलेक्टर श्रोत्रिय ने पीडब्ल्यूडी को विस्तृत प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए और धर्मस्व विभाग को प्रस्ताव भेजा। उल्लेखनीय है कि प्रशासनिक स्तर पर महज दो माह के भीतर प्रस्ताव स्वीकृत कर पहली किस्त जारी होना मंदिर संरक्षण के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

साधु बने रणबांकुरे की गुसाईं सेना ने बनवाया था मंदिर

गुसाईं सेना, जिसे गोसाईं सेना भी कहा जाता है, भारतीय इतिहास में नागा संन्यासियों और दशनामी साधुओं की एक अनुशासित सैन्य शक्ति के रूप में प्रसिद्ध रही है। विशेषकर 18वीं शताब्दी में इन संतों ने केवल धर्म की रक्षा ही नहीं की, बल्कि विभिन्न रियासतों के युद्धों में वीर सैनिक और सैन्य सरदार के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बुंदेलखंड, विशेषकर ओरछा और टीकमगढ़ रियासत के राजाओं के साथ गुसाईं संतों का गहरा आध्यात्मिक एवं सैन्य संबंध था। युद्ध के समय यही संत राजाओं की सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर रणभूमि में उतरते थे और अपनी निर्भीकता तथा अनुशासन के लिए विख्यात थे। ब्रिटिश शासन के बाद रियासतों के विलय के साथ यह सैन्य परंपरा धीरे-धीरे समाप्त हो गई, लेकिन उनकी विरासत आज भी अखाड़ों की शस्त्र पूजा, धार्मिक परंपराओं और उनके द्वारा स्थापित ऐतिहासिक मंदिरों में जीवित है। टीकमगढ़ का मां राजराजेश्वरी मंदिर भी इसी गौरवशाली विरासत का जीवंत प्रतीक माना जाता है, जिसका निर्माण गुसाईं सेना के एक प्रभावशाली महंत ने महाराजा विक्रमादित्य के काल में कराया था।

मोबाइल सीडीआर व लोकेशन जांच की उठी मांग

हत्या मामले में निर्दोषों को फंसाने का आरोप, एसपी से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कंचनपुरा में दर्ज हत्या एवं मारपीट के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने हत्या प्रकरण में निर्दोष लोगों को फंसाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि पहले भी क़ानून के अनुसार ही कार्यवाही हुई है और इस ज्ञापन में की गईं मांगो को लेकर भी क़ानून के हिसाब से ही कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि 2 जुलाई 2026 की रात करीब एक बजे ग्राम कंचनपुरा में घनश्याम उर्फ घंसू प्रजापति के साथ मारपीट की घटना हुई थी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मोहनगढ़ पुलिस ने मामले की गहन जांच किए बिना कुछ लोगों के विरुद्ध हत्या सहित गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया, जबकि घटना के समय वे अपने-अपने घरों में परिवार के साथ मौजूद थे। ग्रामीणों ने मांग की है कि घटना के समय आरोपित व्यक्तियों एवं मृतक पक्ष के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड सीडीआर और लोकेशन की तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि घटना के समय उनकी वास्तविक मौजूदगी स्पष्ट हो सके और सच्चाई सामने आ सके। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि नामजद आरोपियों में से एक के परिवार का मृतक पक्ष के साथ लंबे समय से भूमि विवाद चल रहा था। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इसी रंजिश के चलते निर्दोष लोगों को मामले में फंसाया गया हो सकता है। उन्होंने यह भी मांग की कि मृतक के पड़ोसियों एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ कर पारिवारिक विवादों के पहलुओं की भी निष्पक्ष जांच की जाए। आवेदन में यह दावा भी किया गया है कि मृतक के विरुद्ध पूर्व में कई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जांच केवल एक पक्ष के आधार पर न होकर सभी तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए। इधर, पुलिस प्रशासन का कहना है कि हत्या प्रकरण में अब तक की गई कार्रवाई उपलब्ध साक्ष्यों एवं कानून के अनुसार की गई है। पुलिस का यह भी कहना है कि ज्ञापन में उठाए गए बिंदुओं पर भी नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एग्जॉस्ट उखाड़कर होटल में घुसा चोर, नगदी समेटकर हुआ फरार

पुराने बस स्टैंड स्थित महाराजा होटल में देर रात हुई चोरी की वारदात, सीसीटीवी में कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

शहर के पुराने बस स्टैंड स्थित महाराजा होटल में रविवार देर रात एक शातिर चोर ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। आरोपी ने होटल के किचन की दीवार में लगा एग्जॉस्ट (वेंटिलेशन) हटाकर अंदर प्रवेश किया और काउंटर के गल्ले में रखी करीब 1 लाख 40 हजार रुपये की नकदी लेकर उसी रास्ते से फरार हो गया। पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुये कुछ संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की है, जिससे जल्द ही उक्त चोरी का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सोमवार सुबह जब होटल के कर्मचारी काम पर पहुंचे तो किचन की दीवार में लगा एग्जॉस्ट टूटा हुआ देखकर उन्हें चोरी की आशंका हुई। कर्मचारियों ने तत्काल होटल संचालक शिवम जैन को सूचना दी। सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच होटल पहुंचे संचालक शिवम ने जब काउंटर का गल्ला देखा तो उसमें रखी करीब 1.40 लाख रुपये की नकदी गायब थी। इसके बाद तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने पहले एग्जॉस्ट हटाया, फिर संकरे रास्ते से होटल के अंदर प्रवेश कर सीधे गल्ले तक पहुंचा और नकदी समेटकर उसी रास्ते से बाहर निकल गया। वारदात को जिस तरीके से अंजाम दिया गया, उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि आरोपी ने पहले से होटल की गतिविधियों की रेकी की थी।

होटल के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी साफ दिखाई दे रहा है। फुटेज के अनुसार उसने पहचान छिपाने के लिए अपने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। पुलिस ने फुटेज अपने कब्जे में लेकर आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगालना शुरू कर दिया है, ताकि आरोपी के आने-जाने का पूरा रूट पता लगाया जा सके। कोतवाली पुलिस द्वारा होटल संचालक और कर्मचारियों से भी पूछताछ की गई। इसके अलावा कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ किये जाने की भी जानकारी सामने आ रही है। कोतवाली पुलिस का मानना है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक जल्द पहुंचा जा सकेगा।

गोचर भूमि पर चला बुलडोजर, अवैध कब्जों पर प्रशासन का बड़ा प्रहार

पलेरा। तहसील क्षेत्र में शासकीय गौचर भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन ने सोमवार को सख्त तेवर दिखाते हुए बुलडोजर एक्शन चलाया। खसरा क्रमांक 1564/1/1 स्थित शासकीय गोचर भूमि पर किए गए अतिक्रमणों को हटाने के लिए राजस्व और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया, जिसमें करीब 10 अवैध कब्जों को ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती साफ दिखाई दी। तहसीलदार कुलदीप सिंह एवं पलेरा थाना प्रभारी प्रीति भार्गव ने स्वयं मौके पर मौजूद रहकर संयुक्त रूप से उक्त अभियान की कमान संभाली। इनके नेतृत्व में राजस्व अमला, नगर पालिका की टीम, आरआई, पटवारी, पुलिस एवं अन्य अधिकारियों ने मौके पर रहकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

बुलडोजर की गड़गड़ाहट के बीच एक-एक कर अवैध निर्माण हटाए गए और शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन ने नियमानुसार पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से कार्रवाई संपन्न कराई। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होने के कारण पूरे अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही। प्रशासन ने दो टूक संदेश दिया है कि शासकीय गोचर भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा अब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और जहां भी अवैध कब्जे पाए जाएंगे, वहां बिना किसी भेदभाव के इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बुलडोजर कार्रवाई को प्रशासन द्वारा सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और गोचर भूमि के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्षेत्र में इस कार्रवाई के बाद अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई।

प्रेम-जाल से ब्लैकमेल तक, साइबर के नए हथकंडों से रहें सावधानः एसपी

सेफ क्लिक अभियान 2.0 के तहत महिलाओं के लिए विशेष रूप से जारी की गई एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधियों के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। छात्राओं और महिलाओं को प्रेम-जाल में फंसाकर उनकी निजी फोटो और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने तथा यौन शोषण जैसे गंभीर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए टीकमगढ़ पुलिस ने महिलाओ को सतर्क रहने की सलाह दी है। सेफ क्लिक अभियान 2.0 के तहत पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने महिलाओ के लिए विशेष साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी करते हुए जागरूक रहने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने बताया कि साइबर अपराधी पहले सोशल मीडिया, स्कूल, कॉलेज अथवा अन्य ऑनलाइन माध्यमों से दोस्ती का रिश्ता बनाते हैं। विश्वास जीतने के बाद महंगे उपहार, लग्जरी लाइफस्टाइल या अन्य आकर्षक प्रलोभन देकर युवतियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसाते हैं। इसके बाद उनकी निजी एवं आपत्तिजनक फोटो या वीडियो हासिल कर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया जाता है। कई मामलों में आर्थिक वसूली, यौन शोषण और अन्य अवैध गतिविधियों के लिए भी दबाव बनाया जाता है। एसपी मंडलोई ने नागरिकों, विशेषकर छात्राओं और महिलाओं से अपील की है कि वे किसी भी व्यक्ति के साथ अपनी निजी या आपत्तिजनक फोटो और वीडियो साझा न करें। सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति से बिना पूरी जानकारी और सत्यापन के मित्रता करने से बचें। किसी भी प्रकार के लालच, महंगे उपहार, लग्जरी जीवनशैली अथवा नशे के प्रलोभन में न आएं और ऑनलाइन बने परिचितों से एकांत स्थान पर मिलने से परहेज करें। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट की गोपनीयता प्राइवेसी सेटिंग मजबूत रखने तथा अपनी व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार के साइबर अपराध का शिकार होता है तो घबराने के बजाय तत्काल अपने नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराए। इसके अलावा राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर अथवा एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। समय रहते शिकायत करने से साइबर अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और आर्थिक नुकसान की भरपाई की संभावना बढ़ जाती है। पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने महिलाओ से स्वयं जागरूक रहने के साथ अपने परिवार, बच्चों और परिचितों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने तथा किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सामूहिक जागरूकता ही साइबर अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने का सबसे मजबूत माध्यम है।

प्रदेश में प्रथम रैंकिंग बरकरार रखने पर फोकस

तकनीक से और मजबूत होगी पुलिसिंग, डिजिटल पर जोर

टीकमगढ़। पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में टीकमगढ़ पुलिस लगातार कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के मार्गदर्शन में सीसीटीएनएस क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम संबंधी विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए विवेचक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर डिजिटल विवेचना और नवीन तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के दौरान सीसीटीएनएस टीम ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रणाली के नवीनतम अपडेट, विशेष रूप से ई-साक्ष्य मॉड्यूल, ऑनलाइन विवेचना की प्रक्रिया, प्रकरणों की डिजिटल एंट्री, दस्तावेजों के सुरक्षित संधारण तथा अन्य तकनीकी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण को केवल सैद्धांतिक न रखकर प्रतिभागियों को प्रायोगिक हैंड्स-ऑन अभ्यास भी कराया गया, ताकि वे अपने दैनिक कार्यों में इन तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर सकें। प्रशिक्षण के समापन पर पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने प्रशिक्षण में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर फीडबैक लिया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सामने आई व्यावहारिक समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी विवेचकों को सीसीटीएनएस प्रणाली का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी मंडलोई ने कहा कि आधुनिक दौर की पुलिसिंग में तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

दीक्षारंभ व मानसिक स्वास्थ्य उन्मुखीकरण कार्यक्रम

'शिक्षा व मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन बनाना जरूरी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों एवं सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राष्ट्रीय कार्यबल एनटीएफ के अंतर्गत सोमवार को शासकीय कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए दीक्षारंभ एवं मानसिक स्वास्थ्य उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य रागिनी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित कराने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना और तनावमुक्त शिक्षा का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय टीकमगढ़ के परामर्शदाता डॉ. विकास जैन मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं को मानसिक अवसाद, परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव, पारिवारिक दबाव, भावनात्मक चुनौतियों तथा बदलती जीवनशैली के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय रहते मानसिक समस्याओं की पहचान और उचित परामर्श से गंभीर परिस्थितियों से बचा जा सकता है। साथ ही तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, नियमित दिनचर्या और संवाद के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान प्रवेश एवं एनटीएफ नोडल अधिकारी राहुल कुमार चतुर्वेदी ने छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, छात्र हितैषी सुविधाओं, पुस्तकालय संसाधनों एवं उपलब्ध सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य रागिनी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के साथ मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं को महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा किसी भी मानसिक या व्यक्तिगत समस्या की स्थिति में संकोच छोड़कर परामर्श लेने की सलाह दी। जिला चिकित्सालय के समन्वयक डॉ. अजल लोधी ने छात्राओं को उमंग हेल्पलाइन और टेली-मानस जैसी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं के माध्यम से विशेषज्ञों की गोपनीय एवं निःशुल्क सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे, जिनका विस्तार से समाधान किया गया।

पांच अधिकारियों का केक काटकर किया सम्मान

कर्तव्य के साथ अपनापन, एसपी ने पुलिसकर्मियों का मनाया जन्मदिन

टीकमगढ़। जिला पुलिस परिवार में सोमवार को आत्मीयता और अपनत्व का अनूठा माहौल देखने को मिला। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने जन्मदिवस मना रहे पांच पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ उनका विशेष दिन मनाकर न केवल शुभकामनाएं दीं, बल्कि पुलिस परिवार में आपसी विश्वास, सम्मान और टीम भावना का संदेश भी दिया। पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने सभी जन्मदिन मना रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से केक कटवाया और उनके स्वस्थ, सुखी एवं सफल जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी संगठन की अमूल्य धरोहर है। उनकी ईमानदारी, अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक कार्यशैली ही पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाती है तथा आमजन का विश्वास पुलिस के प्रति और अधिक सुदृढ़ करती है। इस अवसर पर जिला पुलिस की विभिन्न उपलब्धियों की खुशियां भी सभी पुलिसकर्मियों के साथ साझा की गईं। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मुंह मीठा कराया गया तथा उन्हें भविष्य में भी पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आत्मीय संवाद का वातावरण बना रहा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस आयोजन ने पुलिस परिवार के बीच सहयोग, सौहार्द और पारिवारिक रिश्तों को और अधिक मजबूत करने का कार्य किया। जिला पुलिस का मानना है कि सकारात्मक कार्यसंस्कृति, कर्मचारियों का सम्मान और पारिवारिक माहौल न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि बेहतर, संवेदनशील और जनोन्मुखी पुलिसिंग की मजबूत आधारशिला भी तैयार करता है।

करीब 10 दिन से खाली बीईओ की कुर्सी, प्रभावित हो रहे कई विभागीय कार्य

कौन बनेगा श्योपुर का बीईओ, दौड़ में तीन प्राचार्यों के नाम शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

श्योपुर की पहली महिला खंड शिक्षा अधिकारी मधु शर्मा का ट्रांसफर होने के बाद से श्योपुर में किसी दूसरे खंड शिक्षा अधिकारी की पदस्थापना अभी तक न तो शासन स्तर से की गई है और न ही जिला स्तर से किसी को बीईओ बनाया गया है। ऐसी स्थिति में पिछले करीब 10 दिनों श्योपुर खंड शिक्षा अधिकारी की कुर्सी खाली चल रही है। हालांकि बीईओ का सामान्य प्रभार आनंद दीक्षित को सौंप दिया गया है,लेकिन स्थाई बीईओ नहीं होने के कारण कई विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे है।

विशेष बात यह है कि श्योपुर बीईओ बनने की दौड में जिले के तीन प्राचार्यो के नाम चल रहे है। अब तीनों प्राचार्यो में से किसको बीईओ की कुर्सी पर बैठने की जिम्मेदारी मिलेगी, यह तो कलेक्टर शीला दाहिमा पर निर्भर करेगा। क्योंकि बीईओ का प्रभार दिए जाने का आदेश डीईओ के प्रतिवेदन पर कलेक्टर शीला दाहिमा के द्वारा ही जारी किया जाएगा। यहां बता दें कि श्योपुर की खंड शिक्षा अधिकारी मधु शर्मा का अशोकनगर जिले में तबादला हो गया है। इसलिए मधु शर्मा पिछले शनिवार को श्योपुर से रिलीव होकर अशोकनगर चली गई है। मधु शर्मा के जाने के बाद से अभी तक श्योपुर बीईओ के रूप में किसी अधिकारी की पदस्थापना नहीं हो पाई है और न ही जिला स्तर पर किसी को बीईओ प्रभार सौपने का आदेश जारी किया गया है। ऐसे में श्योपुर बीईओ की कुर्सी खाली चल रही है। बताया जा रहा है कि डीईओ कार्यालय की ओर से बीईओ का प्रभार सौपने के संबंध में आदेश जारी करने के लिए एक प्रतिवेदन भी कलेक्टर की ओर भेज दिया गया है।

वेतन निर्धारण,मेडिकल अवकाश सहित अन्य कई कार्य लटके

श्योपुर बीईओ की कुर्सी खाली होने से जहां स्कूलों के प्रवेश कार्यो का ठीक से सुपरविजन नहीं हो पा रहा है। वहीं वेतन निर्धारण, मेडिकल अवकाश भुगतान, एरियर का भुगतान, क्रमोन्नति एरियर भुगतान तथा निलंबित कर्मचारियों का भत्ता सहित अन्य कई विभागीय कार्य लटक गए है। अब यह कार्य तभी सुचारू से संचालित होगे,जब किसी की बीईओ श्योपुर के रूप में पदस्थी होने संबंधी आदेश जारी होगा।

ये तीन प्राचार्य दौड़ में शामिल

शिक्षा विभाग के सूत्रों की माने तो श्योपुर बीईओ की बनने की दौड में सबसे तेजी के साथ तीन प्राचार्यो के नाम चल रहे है। इनमें सीएम राइज स्कूल प्राचार्य अशोक खंडेलवाल, शासकीय कन्या उमावि श्योपुर के प्राचार्य एमएल गर्ग, उत्कृष्ट स्कूल श्योपुर के प्राचार्य सीताराम आदिवासी के नाम शामिल है। ये तीनों नाम इसलिए तेजी के साथ बीईओ बनने की दौड में शामिल है,क्योंकि पूरे श्योपुर जिले में ये तीनों ही स्थाई प्राचार्य है। इन तीनों नामो को लेकर ही शिक्षा विभाग में कयाए लगाए जा रहे है। कयास यह भी लगाए जा रहे है कि तीनों नामो में सबसे आगे एमएल गर्ग का नाम है। क्योंकि उनके पास बीईओ के साथ डीईओ का प्रभार भी रह चुका है। इसलिए उनके अनुभव के चलते बीईओ की कुर्सी पर उनके बैठने की संभावना अधिक बनी हुई है।

इनका कहना है...

विभागीय काम न रूके इसके लिए हमने श्योपुर बीईओ का सामान्य प्रभार आनंद दीक्षित को सौंप दिया है और वित्तीय प्रभार सौपे जाने के लिए कार्रवाई चल रही है। इस संबंध में फाइल कलेक्टर मैडम की ओर बढा दी गई है।

यश जैन
डीईओ,श्योपुर

जय भीम शिक्षक संघ का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

शिक्षा सो तालों की एक चाबी, शिक्षित समाज संपन्न समाजः दर्शन लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

शिक्षा सो तालों की एक मास्टर चाबी है। यह चाबी जिसके पास होगी उसे उन्नति हासिल करने के लिए कोई रोक नहीं पाएगा। शिक्षित समाज ही संपन्न समाज है, इस अवधारणा को अंगीकार करने की जरूरत है, समाज के प्रबुद्धजन शिक्षा व्यापीकरण पर विशेष ध्यान दें, ताकि समाज शिक्षित होकर उन्नति के रास्ते पर पहुंचे यह बात जय भीम शिक्षक संघ के बैनर तले आयोजित अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे तहसीलदार दर्शन लाल बौद्ध ने समझाइश देते हुए कही।

जय भीम शिक्षक संघ श्योपुर के तत्वावधान में कक्षा 10वीं व 12वीं में उत्तीर्ण मेधावी छात्र- छात्राओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम जिला मुख्ययालय पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि दर्शन लाल बौद्ध तहसीलदार श्योपुर विशिष्ट अतिथि डॉ नरेन्द्र राजौरिया, डॉ महेश सिसौदिया समस्त संघ के सहयोगी, प्रबुद्धजन बच्चों को आशीर्वाद देने पहुंचे। सभी छात्र-छात्राओं को तथागत गौतम बौद्ध और बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की तस्वीर, प्रशस्ति प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सभी को सादर जय भीम शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष परिचित जाटव ने किया।

ग्राम बिचगांवडी के ग्रामीण ने लगाया आरोप,जिपं सीईओ बोली जांच कराएंगे

मैडमः मेरे नाम से स्वीकृत पीएम आवास की राशि सरपंच सचिव ने दूसरे के खाते में डाल दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

मैडमः वर्ष 2017 में पीएम आवास योजना के तहत मेरा चयन पात्र हितग्राही के रूप में हुआ और मेरे नाम से एक लाख 20 हजार रूपए की स्वीकृत भी हुई। मगर तत्कालीन सरपंच और सचिव ने मेरे नाम से स्वीकृत हुई राशि को धोखाधाडी करके गांव के दूसरे व्यक्ति रामबिलास मीणा के खाते में डाल दिया। इस तरह का आरोप ग्राम बिचगांवडी निवासी रामअवतार मीणा ने लगाते हुए जिला पंचायत सीईओ श्योपुर सौम्या आनंद से इस मामले की जांच कराते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

बडौदा तहसील के ग्राम बिचगांवडी निवासी रामअवतार मीणा ने जिपं सीईओ को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि तत्कालीन सरपंच और सचिव की मिलीभगत के चलते मुझे पीएम आवास योजना से वंचित करते हुए मेरी राशि को दूसरे व्यक्ति के खाते में भेज दिया है। जिसके द्वारा पीएम आवास का निर्माण भी कर लिया गया। इस गडबडी की शिकायत पांच बार कर चुका हूं,लेकिन मेरी कोई सुनवाई अभी तक नहीं हुई है। शिकायतकर्ता रामअवतार ने इस मामले की जांच करवाते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और उसे पीएम आवास योजना की राशि दिलवाए जाने की मांग की है। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद का कहना है कि इस तरह की शिकायत आई है। जिसकी जांच कराते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गांव की प्रतिभा गुदड़ी में लाल की तरह जब भी मौका मिला चमक उठीः शरीफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

खेल में अब शहरों का दबदबा खत्म हो रहा है बड़ी संख्या में खेलों में ग्रामीण क्षेत्र से आए खिलाड़ी अपना प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं गांव के खिलाडी गुदडी में लाल की तरह है जब भी मौका मिलता है अपनी चमक बिखेर देते हैं। इसलिए आप भी निराश ना हो और जमकर मेहनत करें खेल में युवाओं के लिए अपना भविष्य बनाने के अच्छे अवसर हैं। यह बात समाजसेवी एवं ज्वालापुर के सरपंच प्रतिनिधि शरीफ खान ने ज्वालापुर क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर पुरस्कार वितरण करते हुए कही। इस प्रतियोगिता के फाइनल मैच में ज्वालापुर बी को 21 रनों से हराकर फिरोज जागीरदार क्लब विजेता बना। दरअसल ज्वालापुर क्रिकेट प्रतियोगिता में क्षेत्र की 16 क्रिकेट टीमो ने हिस्सा लिया। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच फिरोज जागीरदार क्रिकेट क्लब ज्वालापुर और ज्वालापुर बी के बीच खेला गया, जिसमें फिरोज जागीरदार क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10ओवर में 99 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से बल्लेबाज सारुन ने सर्वाधिक 30 रनों का योगदान दिया। वहीं, ज्वालापुर फिरोज जागीरदार की ओर से घातक गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद इंकार ने विपक्षी टीम के 4 विकेट चटकाए। 99 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ज्वालापुर बी की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। टीम की तरफ से साहिल ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाजों का साथ न मिलने के कारण पूरी टीम लक्ष्य से दूर रह गई। ज्वालापुर बी यह मुकाबला 21 रनों से हार गई। विजेता टीम (फिरोज जागीरदार क्रिकेट क्लब) को ट्रॉफी के साथ 5,100 का नकद पुरस्कार दिया गया, वहीं उपविजेता टीम को 2,100 की सांत्वना राशि व ट्रॉफी भेंट की गई।

हेमू पर फिर जताया मेवाती समाज ने विश्वास, सरपंच बने

श्योपुर। मेवतियान समाज के सरपंच अहमद उर्फ़ हेमू पर समाज ने दोबारा से विश्वास जताते हुए उन्हें फिर निर्विरोध सरपंच चुन लिया है। यह निर्वाचन रविवार को मेवतियांन समाज की मस्जिद (छोटा इमामबाड़ा श्योपुर) पर आयोजित हुई बैठक में किया गया। बैठक में समाज के अधिकतर लोगों ने भागीदारी की। बैठक में सबसे पहले वर्तमान सरपंच अहमद उर्फ हेमू ने अपने कार्यकाल में किए गए काम को सिलसिलेवार बताया। अधिकतर लोग इस बात से सहमत दिखे कि उनका कार्यकाल प्रशंसनीय रहा। इसके बाद हेमू ने आय व्यय का हिसाब समाज के सामने रखते हुए उनका कार्यकाल पूरा हो जाने पर नए सदर का चुनाव कर लेने का अनुरोध किया जिस पर समाज के जिम्मेदारों ने अहमद उर्फ हेमू मेव को ही दोबारा से समाज का सरपंच बनाने पर मोहर लगा दी। समाज ने सरपंच के साथ साथ मेम्बर भी नियुक्त किये गए जिसमें भैया मेव, राजू मेव, सद्दाम मेव, अमन मेव, सानू मेव, सानू मास्टर मेव, गोलू मेव, फैसल मेव, आरिफ मेव, लक्की मेव, राजा मेव, आसिफ मेव, बुद्धू चाचा, आकिब मेव, सलीम मेव, अख्तर मेव, लक्की मेव, तय्यब मेव, जुनेद मेव, ये मेंबरान नियुक्त किए गए।

बिजली की मांग को लेकर किसानों ने घेरा बिजली घर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

किसान नेता राधेश्याम मूंडला के नेतृत्व में सोमवार को महाराज पुरा गांव से आए ग्रामीणों ने बिजली कंपनी के महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौपा। किसानों का कहना था कि गांव में 40 दिनों से बिजली बंद होने से कृषि पंप बंद है।किसान नेता मूंडला ने बताया कि 28 मई को आए तेज आंधी-तूफान के कारण कृषि पंप विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। बिजली के खंभे टूट जाने से क्षेत्र के किसानों की कृषि पंपों की विद्युत आपूर्ति विगत लगभग 40 दिनों से पूरी तरह ठप पड़ी थी। इसके चलते किसान धान सहित खरीफ फसलों की तैयारी नहीं कर पा रहे थे, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज किसानों ने सोमवार को बिजली कंपनी के महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया तथा क्षतिग्रस्त विद्युत लाइन को तत्काल दुरुस्त करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान बिजली कंपनी के एसई विनोद भदौरिया किसानों के बीच पहुंचे और उन्होंने ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल क्षतिग्रस्त कृषि पंप विद्युत लाइन की मरम्मत कर विद्युत आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए।

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए होशियार बने युवाःअग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

पुलिस कंट्रोल रूम में सोमवार को पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में सायबर फ्रॉड से बचाव हेतु सेफ क्लिक2.0 अभियान के समापन अवसर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

जिसमें युवाओं एवं विभिन्न क्षेत्रो में काम करने वाले लोगो को सायबर फ्रॉड के विभिन्न तरीको की जानकारी दी गई एवं बचाव के उपाय बताये गये। कार्यशाला को संबोधित करते हुए एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान दौर में सायबर अपराधो की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई, इसका सबसे बड़ा कारण आपकी भावनाओ के साथ खिलवाड़ करते हुए स्कैमर्स आपका लाभ उठाते हैं और आप उनके जाल में फंस जाते हैं, गैमिंग एप, लॉटरी सिस्टम, सोशल मीडिया पर लुभावने विज्ञापन, ई-कॉमर्स कम्पनियों की नकली वेबसाइट, व्हाट्सएप पर एपीके फाइल का खोलना आदि ऐसे कई कारण है जिसके कारण आप सायबर फ्रॉड के शिकार हो जाते हैं, इसलिए सावधानी आवश्यक हैं, कभी कोई मैसेज भी आए तो उसकी जांच पड़ताल के बाद ही उसे खोले और कोई भी आपको प्रलोभन या धमकी मोबाइल पर दें तो उसकी शिकायत करें, ताकि सायबर पुलिस उसकी जांच कर दोषी के खिलाफ कार्यवाही कर सके। इस दौरान पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से सायबर अपराधो के कई उपाय के बारे में जागरूक किया गया इस दौरान संवाद भी किया गया जिसमें एसपी ने उपस्थित युवाओं से उनके प्रश्नो के संतोषजनक जवाब दिये। कार्यशाला में एएसपी प्रवीण भूरिया, एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता, रक्षित निरीक्षक अखिलेश शर्मा मौजूद रहे।

नदी नालों के रास्तों में हुए अतिक्रमण ने मोल ली परेशानी अब कोस रहे प्रशासन को

हर बार प्रशासन को कोसना भी ठीक नहीं जब हमारी खताएं कम न हो ?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

रविवार को एक घंटा बारिश में शहर के हालात बाढ़ जैसे निर्मित हो गए शहर में कई स्थानों पर पानी निकासी नहीं होने से जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई। बाजार में तो बाढ़ जैसे हालात का सामना लोगों को करना पड़ा सोशल मीडिया पर नगर पालिका को नालों की सफाई को लेकर दोषारोपण करने का ऐसा चलन चल पड़ा कि हर कोई नगर पालिका को इस अब्यवस्था के लिए दोषी बताने में पीछे नहीं दिखाई दिया। अगर इतिहास के पन्नों को पलटें और वर्तमान पर ध्यान दें तो पता चलेगा कि यह अव्यवस्था सिर्फ प्रशासन के कारण ही नहीं बल्कि इंसान की लालची सोच के चलते भी निर्मित हुई है जिन स्थानों पर जल भराव अधिक देखने को मिला है वहां हमेशा बारिश के समय इसी तरह जल भराव देखने को मिलता ही है।

पुराने लोगों की मानें तो यह स्थान कभी बाजार न होकर सिर्फ पानी निकासी के लिए नाले भर थे जिन्हें लोगों ने अतिक्रमण कर बस्तियां बसा ली सो भुगतान तो हमें ही पड़ेगा। राजे रजवाड़ों के समय जो सीवेज सिष्टम विकसित किया गया था वो भी समय की गर्त में या तो गायब हो गया या फिर उसका स्वरूप बदल दिया गया। 500 साल पहले राजा रजवाड़ों के द्वारा श्योपुर शहर के लिए जो सीवेज सिस्टम तैयार किया था उस पर सैकड़ों साल शहर की जल निकासी योजना संचालित रही पर जैसे-जैसे सुविधा बड़ी वैसे-वैसे असुविधाओं का सागना भी लोगों की करना पड़ा। जिम्मेदारों ने जो पर्याप्त था पुराना भूमिगत (जल निकासी सिस्टम) को अपर्याप्त मानकर कर त्याग दिया और जल निकासी का भार सड़कों के दोनों ओर बनी अपर्यात वी शेष नालियों पर आ गया जिसके कारण बारिश का पानी नालियों के बजाए सड़कों पर ओवरफ्लो होकर बहने लगा। इस समस्या से निपटने के लिए नगरपालिका सीवर लाइन योजना को लाने के लिए जतन तो कर रही है पर विगत एक दशक से यह जतन महज मृग तृष्णा साबित हुए हैं। उधर जिन नालो को पानी को पानी निकासी का साधन मानकर खुला छोड़ गया था उन नालों पर भी मकान बनाकर बाजार विकसित कर दिए गए।अब उन्ही नालों को बाजार बताकर हाय हल्ला मचाया जा रहा है।

जमीं दोज हुई 500 साल पुरानी सीवर लाइन

राजा महाराजाओं द्वारा श्योपुर शहर में जल निकासी के लिए भूमिगत सीवर लाइन बनाई गई थी। यह सीवर लाइन मेन बाजार किला रोड मोती टिकिया वालों की दुकान के आगे से सुबात चौराहा, गांधी पार्क, जय स्तंभतक बनी थी। जमीन के करीब 6 फीट नीचे इस भूमिगत सीवर लाइन में नालियों का पानी बहकर जाता था जो नालों में प्रवाहित होकर शहर में जल भराव की स्थिति को से छुटकारा दिलाता था। जब तक श्योपुर नगर पालिका परिषद में कृष्णा महावीर गुप्ता की परिषद रही तब तक तो यह भूमिगत सीवर लाइन विधिवत संचालित रही, लेकिन बाद में इस सीवर लाइन को अनदेखी के चलते बंद कर दिया गया। सड़कों के मेंटीनेंस के लिए ठेकेदार द्वारा डामरीकरण के दौरान रिसीवर लाइनों को जमीदोज कर दिया जिसके चलते यह सीवर लाइन बंद हो गई। हालांकि भूमिगत रूप से अभी भी सीवर लाइन जमीन के भीतर चालू है, लेकिन इसमें साफ सफाई करने की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह जाम पड़ी हुई है। जिससे बारिश का पानी तेज गति के साथ नलों में जाने के बजाय सड़कों से ओवरफ्लो कर दुकानों के भीतर घुस रहा है।

शहर के नाले जो बन गए बाजार

1 चूड़ी मार्केटः नया बांस, नगर पालिका के पीछे वाली बस्ती से बारिश का पानी गरुड़िया के हनुमान जी के आगे से होता हुआ चूड़ी मार्केट से निकलकर सब्जी मंडी में प्रवाहित होता है यह जल निकासी का परंपरागत पुराना नाला था जहां अब बस्ती बस गई है और बहु मंजिला भवन निर्मित हो गए हैं। सड़क किनारे दुकानों में बारिश का पानी घुस रहा है।

2 सब्जी मंडीः चूड़ी मार्केट के साथ बाजार का पानी भी सब्जी मंडी से होकर गुजरता है इसलिए इस स्थान का उपयोग कभी मार्केट से लेकर मालियों के मंदिर के सामने तक नाले के रूप में होता था लेकिन यहां भी मकान बन गए हैं जहां पानी अभी भी परंपरागत रूप से आता है पर जल भराव होने पर लापरवाही नगर पालिका की दिखती है।

3 मछली मार्केटः पुल दरवाजा के पास कई नाले आकर मिलते हैं सब्जी मंडी, चूड़ी मार्केट, मेन बाजार और टोड़ी गणेश बाजार का पूरा पानी पुल दरवाजा से मछली मार्केट वाले नाले से होकर सब्जी मंडी में जाता है पहले यह स्थान भी खुले नाले के रूप में उपयोग होता आज भी बारिश होने पर नजारा नाले का ही दिखता है।

इनका कहना...

सोशल मीडिया पर जो जल भराव की पोस्ट डाली जा रही है वह अनर्गल है यह बारिश का परंपरागत रूप से जल निकासी का रास्ता है जब बारिश होती है तब पानी भरा रहता है और बारिश खत्म होते ही पानी खाली भी हो जाता है।

सत्यभानु जाटव
एचओ नगरपालिका परिषद श्योपुर

डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के विचारों को जन जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने धारा 370 लगाकर जम्मू-कश्मीर को अलग करने का षड़यंत्र किया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत हैं। डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का अनुपम उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए जो संघर्ष किया, वह भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाए और राष्ट्र सेवा के उनके संकल्प को अपने जीवन में आत्मसात करे।

यह विचार सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर स्मरण पखवाड़े के तहत आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अशोकनगर नगर पालिका के अध्यक्ष नीरज मनोरिया, क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, जिला अध्यक्ष शशांक भूषण, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महावीर सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय सहित अन्य वक्ताओ ने व्यक्त किए। वक्ताओ ने आगे कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने का सशक्त प्रयास है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त जनआंदोलन है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक ले जाने का दायित्व निभा रहा है। कार्यक्रम का संचालन संजय अकोदिया एवं आभार व्यक्त परीक्षित धाकड़ ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ब्रजराज सिंह चैहान, वरिष्ठ नेता कैलाश नारायण गुप्ता, अशोक गर्ग, डॉ गोपाल आचार्य, सुरेंद्र सिंह जाट, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त गुड्डी भाई आदिवासी, तुर्शनपाल आदिवासी, मिथिलेश तोमर, रामलखन नापाखेडली, नगर पालिका अध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग, कमलेश कुशवाहा, मीडिया प्रभारी नरेश धाकड़ सहित जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं मंडल के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पुलिस ने जुआ के अड्डे पर छापामारा

अशोकनगर। जिले के देहात थाने के अंतर्गत पुलिस ने आरोन रोड पर वेयर हाउस के पीछे ताश के पत्तों से जुआं खेलते हुए विशाल सोनी, विपिन शर्मा, आकाश जैन, मनोज शर्मा, कल्लू कुशवाह, मनोज ओझा को गिरफ्तार किया है जिनके पास से पुलिस ने 13550 रुपए और ताश की गडडी बरामद की हैं। इसी प्रकार देहात पुलिस ने ही शंकर कॉलोनी में ताश के पत्तों से जुंआ खेलते हुए उमेश कोरी, जसराम यादव, रवि केवट, नरेश ग्वाल व सुरेन्द्र कुशवाह को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से पुलिस ने ताश की गडडी सहित 700 रुपए बरामद किए हैं।

व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया

अशोकनगर। स्थानीय मंगल पैलेस होटल के सभागार गृह में व्यापारियों को खाद्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस मौके पर रामेश्वर जाजू एवं नीतेश पंचेश्वर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के सभी कानूनों में जानकारियों को प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण ग्लोबल इंस्टीटयूट द्वारा प्रदान किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने अपने व्यापार से संबंधित कईं प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान रामेश्वर जाजू किया गया और व्यापारियों से अपील की गई कि वह नियमों का पालन करते हुए कारोबार करे। इस दौरान अपनी दुकानों पर साइन बोर्ड, फूड लांयसेंस का नंबर प्रदर्शित अवश्य करें।

अशोकनगर जिला एक समय सड़कों के मामले में सबसे पिछले जिलों में शामिल था

बारिश से पहले जिले के कई मार्गों पर सड़क निर्माण के साथ पुल-पुलियों का हो रहा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

अशोकनगर जिला एक समय सड़कों के मामले में सबसे पिछले जिलों में शामिल होता आया है लेकिन इन दिनों अशोकनगर जिले में सड़कों का लगातार निर्माण होने के साथ वर्षा काल में कईं पुल पुलिया वाहन चालकों के लिए मौत का कारण बने थे उन सभी मार्गों पर नए पुल पुलियों का निर्माण किया गया है, जिससे वर्षाकाल में भी यात्री वाहन आसानी से निकल सकेगें, साथ में दोपहिया वाहन चालकों को भी सुविधा होगी। अशोकनगर जिला एक ओर उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले से जुड़ा है तो दूसरी ओर अशोकनगर जिले की सीमाएं जिन जिलों से लगती हैं, उनमें शिवपुरी,गुना, विदिशा, और सागर जिले शामिल हैं, यानी 5 जिलों की सीमाएं अशोकनगर जिले से लगीं हैं इन जिलों में जाने वाले रास्ते भी अब ऐसे हो गए हैं कि आप आसानी से यात्रा कर सकते हैं। यह तो हुई पड़ौसी जिलों से आने जाने के बात लेकिन अशोकनगर जिला अंतर्गत एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए मार्गों का जाल बिछ गया है। सड़कों के निर्माण के साथ पुल-पुलियों के निर्माण होने के बाद आम जन सुविधा महसूस कर रहे हैं और रास्ते इतने बेहतर हो गए हैं कि आप वर्षाकाल में भी यात्रा कर सकते हैं।

अशोकनगर से अगर आपको भादोन होकर राजपुर जाना हो तो सावन की नदी पर हमेशा बाढ़ के हालात पैदा हो जाते थे, यहां एक पुल का निर्माण किया गया है, यह वहीं पुल है जहां महिदपुर के सरपंच 2023 में भोपाल से अपनी कार से लौटते समय इसी नदी के पानी के बहाव में बह गए थे, बाद में उनका शव मिला था। लोक निर्माण विभाग ने इस नदी पर पुल की गंभीरता को समझा और अब एक पुल का निर्माण हो चुका है। वर्षा काल में अनेक लोग राजपुर से सिरोंज होते हुए भोपाल की यात्रा करते हैं ऐसे में नदी जोखिम का कारण बनी थी, यहां नए पुल का निर्माण हो चुका है। भादोन, राजपुर, छीपोन मार्ग पर 2 पुलों का निर्माण किया गया है और 7 पुलियां बनाई गई हैं। 4 करोड़ 67 लाख रूपए की लागत से इनका निर्माण किया गया है। इसी प्रकार शाढ़ौरा से राजपुर के बीच अब कोई ऐसी नदी, नाला नहीं है जहां पर पुल पुलिया न हों, यहां पुल पुलियों का निर्माण हो चुका है, यह क्षेत्र शाढ़ौरा करीला मार्ग के अंतर्गत आता है, जो कचनार,राजपुर होते हुए जाता है। 100 करोड रूपए की लागत से 44.30 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग का निर्माण किया जा रहा है, यहां 16 बड़े पुल और 78 पुलियां बनाई गईं हैं। इस मार्ग पर वन भूमि आने के कारण 8 किलोमीटर का हिस्सा ऐसा है जहां सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है, यह इलाका राजपुर से फतेहपुर,पीपलखेडा के इलाके में आता है, यहां सड़क निर्माण के लिए वन विभाग से स्वीकृति मांगी गई है। शाढ़ौरा कुन्दौरा मार्ग, और शाढ़ौरा बेरखेडी मार्ग पर पुल का निर्माण किया गया है, सिंध नदी पर पुल का निर्माण पहले ही हो चुका है। इन मार्गों पर पुलों का निर्माण होने से सीधे पीलाघटा तक वाहनों का आवागमन हो सकेगा।

ईसागढ़ कदवाया मार्ग

ईसागढ़-कदवाया मार्ग पर केन्द्रीय सड़क निधि से 44.30 किलोमीटर लंबी सड़क 100 करोड़ रूपए की लागत से बनाई जा रही है, जिसे अगस्त 2028 तक पूरा होना है, यहां 8 पुल और 44 पुलियों का निर्माण पूरा हो चुका है। यह वहीं मार्ग हैं जहां गहोरा में पिछले साल एक व्यक्ति बह गया था उसी जगह एक नए पुल का निर्माण किया गया है। यह मार्ग महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है जिस पर लगातार निर्माण चल रहा है।

2026-27 में तीन नए पुल स्वीकृत

राज्य सरकार ने विशेष सत्र में अशोकनगर जिले को वर्ष 2026-27 के लिए तीन पुल स्वीकृत किए हैं, इन पुलों के निर्माण के लिए टेंडर स्वीकृत हो गए हैं, जिनमें वाजिदपुर पनवाड़ी हाट, अशोकनगर से मसीदपुर और अशोकनगर से क्यापुर के बीच यह पुल स्वीकृत हुए हैं, टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन पुलों के निर्माण का लाभ अशोकनगर जिले के नागरिकों को आगामी वर्ष में प्राप्त होने लगेगा।

यात्रा कर सकेंगे

जिले में वर्ष 2025-26 में जितने भी निर्माण कार्य स्वीकृत हुए थे उन कार्यों को पूरा करने के साथ जिले को समस्या विहीन बनाने के प्रयास किए गए हैं। अब जिले में सभी मार्गों पर लगभग पुलों का निर्माण हो चुका है, बेहतर सड़कों का निर्माण किया गया है। वर्षा काल के दिनों में भी लोग आसानी से रास्ते से यात्रा कर सकेगें।

अशोक गुप्ता, सहायक यंत्री लोक निर्माण विभाग अशोकनगर।

एक शिक्षक-एक पौधा अभियान चलाएंगे

अशोकनगर। पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से राज्य अध्यापक संघ, जिला अशोकनगर द्वारा जिलेभर में एक शिक्षक एक पौधा अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत प्रत्येक शिक्षक कम से कम एक पौधा लगाएगा और उसके संरक्षण का संकल्प लेगा। राज्य अध्यापक संघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह रघुवंशी ने बताया कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता है। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। शिक्षक समाज का प्रेरक वर्ग है, इसलिए यदि प्रत्येक शिक्षक एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का दायित्व निभाएगा तो इसका सकारात्मक संदेश विद्यार्थियों और समाज तक पहुंचेगा।

उन्होंने जिले के सभी शिक्षकों से विद्यालय परिसर, घर अथवा सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण करने तथा पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य अध्यापक संघ का यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनके संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास करेगा। संघ ने जिले के सभी शिक्षकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया है, ताकि अशोकनगर को अधिक हरित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

स्टेशन पर महापुरुषों के हटाए गए शिलालेखों को फिर से लगाया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

भारत सरकार की अमृत-2 योजना के अंतर्गत अशोकनगर स्टेशन को सर्व सुविधानुयुक्त स्टेशन बनाया गया है लेकिन, आधुनिक स्टेशन बनने से पहले यहां देश के लिए योगदान देने वाले महापुरूषों के शिलालेख रेलवे द्वारा लगाए गए थे, उन्हें कार्यों के चलते हटा दिया गया था। जिन्हें लेकर मांग की गई है कि इन महापुरूषों के शिलालेख अशोकनगर स्टेशन पर आधुनिक स्वरूप में लगाए जाएं। यह कैसा आधुनिक विकास है, जिसमें शासन ही महापुरूषों को भूल गया है। भारत सरकार ने जिस अमर शहीद को वीर चक्र की उपाधि से सम्मानित किया वह शिलालेख भी गायब जिन महापुरूषों के स्मारक स्टेशन पर लगाए गए थे उनमें अशोकनगर की माटी में जन्मे अमर शहीद शशीन्द सिंह राणा का शिलालेख भी शामिल था, भारत पाक युद्ध के दौरान वर्ष 1965 में सेकेण्ड लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में अखनुर जोरियन क्षेत्र में दुश्मनों से सामना करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए थे। भारत सरकार की तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्द्रा गांधी द्वारा देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में

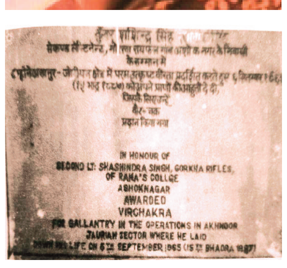

मरणोपरांत शशीन्द्र सिंह राणा की मां को वीर चक्र की उपाधि से सम्मानित किया गया था। जिसका शिलालेख अशोकनगर स्टेशन पर स्थापित किया गया था जो उनकी वीरता की कहानी प्रदर्शित कर रहा था। लेकिन इस शिलालेख को रेलवे हटाने के बाद निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लगाना भूल गई है, यह शिलालेख जिसे भारत की प्रधानमंत्री ने अशोकनगर स्टेशन पर स्थापित करवाया था, उसे आज के अधिकारी लगाना भूल गए हैं।

हम होंगे कामयाब एक दिन गीत के रचयिता गिरजाकुमार माथुर का शिलालेख भी गायब

इसी प्रकार अशोकनगर की माटी में 22 अगस्त 1919 को जन्मे प्रयोगवादी कवि गिरजा कुमार माथुर का शिलालेख भी जबलपुर रेल महाप्रबंधक की स्वीकृति के बाद लगाया गया था। यह वहीं कवि हैं जिन्हे अनेक पुरूस्कारों से सम्मानित किया गया है। हम होगें कामयाब, एक दिन-एक दिन, मन है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होगें कामयाब एक दिन-एक दिन।।

उनके शिलालेख को भी हटा दिया गया है, इन्हे आधुनिक स्वरूप में बनाए जाने की आवश्यकता है।

देशभर के क्रांतिकारियों पर पुस्तकों का सजृन करने वाले क्रांतिकारी कवि श्री कृष्ण सरल का शिलालेख भी गायब

इसी प्रकार भारत की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महान क्रांतिकारियों के ऊपर अशोकनगर की माटी में 1 जनवरी 1919 में जन्में क्रांतिकारी कवि श्री कृष्ण सरल द्वारा 450 से अधिक पुस्तकों का सृजन किया गया था, उनकी पुस्तकें आज भारत की आत्मा बन चुकी हैं, जिनमें क्रांतिकारियों का जज्बा समाहित है। उनका शिलालेख भी अशोकनगर स्टेशन पर लगा था उसे भी हटा दिया गया लेकिन आज तक नहीं लगाया हैं। उनकी रचनाओं में मैं अमर शहीदों का चारण, उनके यश गाया करता हूं, जो कर्ज राष्ट्र ने खाया है, मैं उसे चुकाया करता हूं।

भाजपा मंडल की बैठक शाढ़ौरा में संपन्न आगामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाढ़ौरा

भारतीय जनता पार्टी शाढ़ौरा मंडल की बैठक का शुभारंभ भारत माता एवं भाजपा के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर हुआ बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें मंडल प्रभारी सुनील सिंह महिदपुर,किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह,मंडल अध्यक्ष अतुल रघुवंशी,नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहौर, पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह कनारी ,महामंत्री अनिल रघुवंशी,सुरेंद्र सिंह सेजी,भूपेन्द्र दुबे,शिशुपाल यादव,शिवराज रघुवंशी ,शिवराम सिंह बमोरी,डॉ नितिन रघुवंशी, सतेंद्र चैरसिया, गौरव सडुमरा, शिवकुमार रघुवंशी, विनय तिवारी, धर्मेन्द्र

संतोष सोनी बने नए सीएमओ

पिपरई। नगर परिषद पिपरई में शनिवार को संतोष सोनी द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी का पदभार ग्रहण किया गया जिसमें नगर परिषद कर्मचारी के द्वारा सीएमओ का स्वागत किया गया।

बिना हेलमेट बाइक चलाने पर पुलिस कर्मियों पर भी कार्रवाई होगी

अशोकनगर। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा ने जिला पुलिस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में दिनांक 03 जुलाई से जिला पुलिस अशोकनगर की समस्त पुलिस इकाइयों एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी को शासकीय अथवा निजी दुपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से मानक हेलमेट धारण करना होगा। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि कानून का पालन करवाने वाली पुलिस स्वयं भी यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करेगी। आमजन के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है। इसी उद्देश्य से हेलमेट पहनने के नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया है कि समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण एवं चेकिंग की जाएगी। यदि कोई पुलिस अधिकारी अथवा कर्मचारी बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एम.वी. एक्ट) के अंतर्गत नियमानुसार चालानी कार्यवाही के साथ-साथ विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी।

सड़क दुर्घटनाओं के बाद भी बाइक चालक नहीं कर रहे सिर पर हेलमेट का उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिले में लगातार सड़क दुर्घटनाओं के मामले सामने आ रहे हैं, इन दुर्घनाओं में सबसे अधिक मामले दो पहिया वाहन चालकों के हैं। यह वाहन चालक शहर से गांव और एक गांव से दूसरे गांव बाईकों से आ जा रह हैं। लेकिन हेलमेट का उपयोग नहीं किया जा रहा है जिसके कारण दुर्घटनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। पिछले दिनों अशोकनगर जिले के कचनार थाने के अंतर्गत एक बाईक पर बैठे 3 दोस्तों की तेज रफ्तार बस द्वारा टक्कर में मारे जाने से मौके पर ही मौत हो गई थी। यह गुना जिले के आरोन थाने के क्यापुर गांव के निवासी थे, जिनमें मौकम प्रजापति, फूलसिंह मेहता और सुनील शिकारी शामिल थे। इन तीनों की मौत इस सड़क दुर्घटना में सिर फटने और खून अधिक बहने के कारण हुई थी। ऐसी अनेक घटनाएं अशोकनगर जिलें आए दिन हो रही हैं, इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पिछले दिनों कलेक्टर साकेत मालवीय ने भी पत्रकारों से बातचीत करते हुए दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य किए जाने की बात की थी लेकिन उस पर प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई। इन सड़क दुर्घटनाओं की वजह भी जान लेते हैं कि क्या है, वजह सीधी साफ है ग्रामीण अंचलों से रोजगार की तलाश में सब्जी,दूध बेचने के लिए लोग ग्रामीण अचंलों से आते हैं, इसके अलावा मजदूरी के लिए भी गांव-गांव से युवा एक ही बाईक पर बैठक अशोकनगर आते हैं और शाम को मजदूरी का समय पूरा होने के बाद अपने घर लौट जाते हैं। कभी समय लौटने का 7 बजे से पहले होता है तो कभी 7 बजे के बाद भी हो जाता है। इसी दौरान घर लौटते समय यह घटनाएं अधिकांश रूप से देखने मिल रही हैं।

इस घटना में भी अगर बाईक चालकों ने हेलमेट का उपयोग किया होता तो इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है। इस तरह की घटनाओं को लेकर एसपी राजीव कुमार मिश्रा भी हेलमेट अनिवार्य करने के आदेश जारी किए हैं। आमजनों के साथ पुलिस विभाग के सभी कर्मचारियों को भी हेलमेट पहनने के लिए कढ़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, उनका कहना है कि हेलमेट का उपयोग करने से वह अपने जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं।